सृजक–समूह, देवघर

वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2024–25

सृजक–समूह झारखण्ड सरकार से संस्था निबंधन अधिनियम (21) 1860 के अन्तर्गत निबंधित गैरसरकारी संगठन है। संस्था ज्वलंत सामाजिक समस्याओं के समाधान हेतु हमेशा समर्पित भाव से प्रयासरत रहती है। संस्था वित्तीय वर्ष 2024–25 में निम्नलिखित कार्य{मों को सम्पादित करने का प्रयास किया हैः–

1) **व्यसनियों का एकीकृत पुनर्वास केन्द्रः–**संस्था द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से पन्द्रह शैया का व्यसनियों के एकीकृत पुनर्वास केन्द्र का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। व्यसनियों के एकीकृत पुनर्वास केन्द्र के कार्यकर्त्ताओं के अथक प्रयास से नशीले पदार्थ के व्यसनी नशा से मुक्ति पा रहे हैं। संस्था के कार्यकर्त्ता गाँव–गाँव घुमकर गोष्ठी एवं पर्चा बाँटकर लोगों को नशील`पदार्थ के व्यसन से होने वाले समस्याओं तथा इससे निजात पाने के उपायों को बताते हैं। इस वर्ष व्यसनियों के एकीकृत पुनर्वास केन्द्र में 185 नशीले पदार्थ के व्यसनियों ने इलाज करवाया। इलाज के पश्चात् वे समाज के मुख्य धारा से जुड़कर जीवन बसर कर रहे हैं। हमारे सामाजिक कार्यकर्त्ताओं का प्रयास है कि इलाज के पश्चात् वे समाज के मुख्य धारा से जुड़ जायें। संस्था के कार्यकर्त्ताओं द्वारा क्रमश– सोहोदोहो (06.04.2024), हुसैनाबाद (13.04.2024), भोलाडीह(20.04.2024),सिकदारडीह(27.4.2024),मोरने(04.05.2024),चुलहिया(11.05.2024),दिघी(18.05.2024), सिलवे(25.05.2024),दहीजोर(08.06.2024),कपसिया(15.06.2024),अचाटो(22.06.2024),नकटी(29.06.2024), कुसुमडीह(06.07.2024), भगवानपुर(13.07.2024), सुमडीहा(20.07.2024), उदयपुरा(27.07.2024), कोरिया (03.08.2024), जितुवाबहियार (10.08.2024), पहरीडीह (17.08.2024), मोदीरंगाचौक (24.08.2024), बाबुपुर (31.08.2024), कोकीबॉक(07.09.2024), घुटिया बाड़ा असहाना(14.09.2024), पतारडीह(21.09.2024), भोजपुर(28.09.2024),भनरा(05.10.2024),कुसमाहा(19.10.2024),अमजोरा(26.10.2024),घोंघा(02.11.2024), अठरिया (09.11.2024), चकरमा (16.11.2024), खुटाबॉध (23.11.2024), जोगीडीह (30.11.2024), धनियामारनी (07.12.2024), लकड़ीगंज(14.12.2024), अलकु(28.12.2024), चितरपोका(04.01.2025), करमा (11.01.2025), जमुनिया(18.01.2025), बलथर(25.01.2025),हरियाकुरा(31.01.2025),बाबुपुर(01.02. 2025),धनवे(08.02.2025), जितमहला (15.02.2025), रोधिया (22.02.2025), बसुवाडीह (01.03.2025), मानिकपुर (08.03.2025), बरखतिया (22.03.2025), शंकरपुर (29.03.2025), में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरुकता कार्यक्रम के द्वारा लोगों को बताया गया कि वे अपने बच्चों पर ध्यान दें तथा सजग रहे। ऐसा न हो कि किसी असामाजिक तत्त्वों के सम्पर्क में आकर वे नशीले पदार्थ के सेवन का शिकार हो जायें। यदि बच्चों के व्यवहार में किसी प्रकार का तब्दिली दिखाई दे तो आप हमारे केन्द्र के कार्यकर्त्ता से मिलकर समस्या का हल निकालने का प्रयास करें। हम आपके साथ हैं तथा समाज एवं देश को नशामुक्त बनाना चाहते हैं। हम आपसे से भी उम्मीद करते हैं कि आपभी हमारे अभियान में हमें तहेदिल से सहयोग करेंगे। हम नशा से दूर रहेंगे तो हमारी आने वाली पीढी भी समाज,

जिला, राज्य और देश को आगे बढाने में अग्रनी भूमिका निभायेगी। देश को हमलोग एक जुट होकर आगे बढायें तथा अपने देश को नशामुक्त बनायें।

2) **अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के कल्याणार्थ कार्यक्रम :–** भारत के संविधान में इस वर्ग के लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया, किन्तु आज भी इन वर्गो की समस्या में सुधार नहीं हो पा रहा है। योजनाओं की जानकारी उन्हें समुचित ढंग से नहीं हो पाती है। अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग को सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकार की योजनाओं की जानकारी देने के लिए एक जागरुकता शिविर का आयोजन 01.05.2024 को उदयपुरा, देवघर में किया गया। जिसमें 76 ग्रामीणों ने शिरकत किया। उनके द्वारा किए विभिन्न प्रश्नों का उत्तर संस्था के कार्यकर्त्ताओं ने सुविधानुसार देने का प्रयास किया।

3) **महिला एवं बाल कल्याण कार्यक्रमः–**डा0 रीचा झा के सहयोग से संस्था द्वारा सारवॉ बाजार, देवघर में दिनांक–23.03.2025 को स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 42 लोगों का स्वास्थ्य जाँच किया गया। लोगों को स्वास्थ्य जाँच के साथ–साथ आवश्यकतानुसार दवा भी मुहैया करवाया गया। बच्चों को स्वस्थ रखने हेतु उपस्थित जनसमुदाय को बच्चों को दिए जाने वाले भोजन की मात्रा के बारे में विस्तार से बताया गया जिससे बच्चे कुपोषण के शिकार न हो। साथ ही साथ महिलाओं को भी सलाह दी गयी कि वे पोषक तत्व से भरपुर भोजन किया करें। खासकर गर्भावस्था की स्थिति में पोषक तत्व से भरपुर भोजन जरुर करें जिससे कुपोषित बच्चा पैदा न हो।

4) **कौशल विकास कार्यक्रम :–** वर्तमान सरकार कौशल विकास प्रशिक्षण पर ज्यादा ध्यान दे रही है जिससे बेरोजगार से रोजगारवाले बन सकते हैं साथ ही साथ अन्य बेरोजगार को भी रोजगार प्रदान कर सकते हैं। संस्था द्वारा सभी वर्गो के लिए एक कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र चलाया जा रहा है। जिसमें 10 युवा एवं युवतियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस केन्द्र में सिलाई–कटाई, ब्युटिशियन एवं कमप्युटर का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षणोपरान्त वे आर्थिक लाभ प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं। संस्था के कार्यकर्त्ता भी यथासम्भव सहयोग करते हैं। वे नये–नये परियोजना से उन्हें अवगत कराकर रोजगारन्मुखी बनाने का प्रयास करते हैं। यदि हम किसी प्रकार का व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना रोजगार शुरु करत हैं तो बेरोजगारी से निजात पाया जा सकता है। समाज के युवावर्ग को ज्यादा से ज्यादा कौशल विकास प्रशिक्षण की ओर अग्रसर होना चाहिए।

5) **सेमिनार/कार्यशालाः–** इस वर्ष निम्नलिखित कार्यशाला/शिविर का आयोजन किया गया। सभी कार्यशाला/शिविर वर्तमान समय के ज्वंलत समस्याओं पर केन्द्रित था–

(क) **विश्व स्वपरायणता दिवस**– 2 अप्रैल 2024 को विश्व स्वपरायणता दिवस के अवसर पर संस्था द्वारा एक जागरुकता शिविर का आयोजन बाजला चौक़ पर किया गया। जिसमें अभिभावक, समाजसेवी तथा गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों को स्वपरायणता के कारण तथा निदान

की विस्तृत जानकारी दी गयी। जिसमें 64 लोगों ने भाग लिया। संदेशात्मक पर्चा भी बाँटा गया। पोस्टर प्रदर्शनी भी लगायी गयी। हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया।

(ख) **वातारवण प्रदूषण–** 5 जून, 2024 को पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारती विद्यापीठ, देवघर में एक शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें पर्यावरण प्रदूषण के दुष्परिणाम की विस्तृत जानकारी दी गयी। रोकथाम के विभिन्न उपायों को भी बताया गया। वातावरण प्रदूषण का प्रभाव जीवन के हर क्षेत्र में दिखाई देता है। लोगों ने संकल्प लिया कि 5 पेड़ जरुर लगायेंगे। जिसमें 110 छात्र, छात्राओं एवं शिक्षकों तथा गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। ऑनस्पॉट चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, इसमें 46 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। सम्मिलित प्रतिभागियों में से तीन विजयी प्रतिभागी को पुरस्कार प्रदान किया गया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिया गया। संदेशात्मक पर्चा भी बाँटा गया।

(ग) **अन्तर्राष्ट्रीय नशीला पदार्थ रोकथाम तथा अवैध व्यापार निषेध दिवस**–संस्था द्वारा 26 जुन, 2024 को अन्तर्राष्ट्रीय नशीला पदार्थ रोकथाम तथा अवैध व्यापार निषेध दिवस के अवसर पर एक जागरुकता शिविर मोहनपुर बाजार, देवघर में लगाया गया। उपस्थित समुदाय को इस दिवस की महत्ता के बारे में सविस्तार बताया गया। उन्हें सजग रहने को कहा गया। जिससे समस्या से ससमय निजात पाया जा सके। नशीले पदार्थ का व्यसन आज हमारे बच्चों के भविष्य को बर्वाद कर रहा है।

(ड़) **एड्स–**1 दिसम्बर, 2024 को एड्स दिवस के अवसर पर भुरभुरा चौक, देवघऱ पर एक जागरुकता शिविर आयोजित किया गया। उपस्थित लोगों को इस बीमारी के बारे में विस्तार से बताया गया कि ये रोग कैसे फेलता है और इससे बचने के कौन–कौन से उपाय हैं। लोगों के बीच संदेशात्मक पर्चा बाँटा गया। पोस्टर की प्रदर्शनी लगायी गयी। उपस्थित लोगों ने विश्वास दिलाया कि संस्था द्वारा चलाए जा रहे एड्स जागरूकता अभियान में हम भरपुर सहयोग करेंगे। शिविर मे ं55 लोगों ने शिरकत किया।

(च) **अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस**– 3 दिसम्बर, 2024 को अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस के अवसर पर गिधनी मोड़, देवघर पर जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्य{म में समाजसेवी एवं अभिभावकों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों को दिव्यांगता के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। यदि हम ससमय सजग रहें तो दिव्यांगता को कम किया जा सकता है। जागरुकता शिविर में 65 लोगों ने भाग लिया। पोस्टर की प्रदर्शनी लगायी गयी। संदेशात्मक पर्चा बाँटा गया। हमें दिव्यांग बच्चों एवं व्यक्तियों को दयनीय दृष्टि से नहीं देखना चाहिए, उनमें भी प्रतिभा होती है, केवल उनकी ससमय पहचान कर समाज के मुख्य धारा में लाने की जरुरत है। साथ ही साथ किसी विशेष विद्यालय से सम्पर्क करना चाहिए।

(छ़) **विश्व डाउन सिन्ड्रोम दिवस**–21 मार्च, 2025 को विश्व डाउन सिन्ड्रोम दिवस के अवसर पर तिवारी चौक़, देवघर के पास एक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों के अभिभावक तथा गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों को डाउन सिन्ड्रोम के कारण तथा निदान की विस्तृत जानकारी दी गयी। यदि हम सजग रहेंगे तो दिव्यांगता को कम किया जा सकता है। हमें गर्भावस्था के दौरान अच्छे चिकित्सक से सलाह लेना चाहिए। खासकर जब पति पत्नी का उम्र ज्यादा हो या पहले से कोई दिव्यांग बच्चा पैदा लिया हो। ये एक क्रोमोजोमल कारक है। पहले से यदि डाउन सिन्ड्रोम से ग्रसित बच्चा पैदा लिया हो तो अगले बच्चे के बारे में सोचने से पहले किसी अच्छे चिकित्सक से सलाह जरुर लेना चाहिए। शिविर में 60 लोगों ने भाग लिया। संदेशात्मक पर्चा भी बाँटा गया। पोस्टर प्रदर्शनी भी लगायी गयी।

संस्था उपरोक्त कार्यक्रमों के संचालन के साथ–साथ अन्य ज्वलंत समस्याओं के प्रति गहरी सोच रखती है। आवश्यकतानुसार अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से समस्या समाधान की ओर अग्रसर रहती है तथा भविष्य में भी रहेगी।